निकष m. (r. कष् praef. नि s. अ) lapis Lydius. Am.

निकाय m. (ut videtur, a r. चि, servatâ primitivâ gutturali, s. अ; cf. gr. 544.) 1) conventus, coetus, turba, multitudo. 2) domus, habitatio.

निकुञ्ज m. n. (e कुञ्ज q. v. praef. नि) virgultum. N. 12. 6.

निकुम्भ m. nom. pr. asuri. S. 1. 1.

निकृत v. कृ.

निकृन्तन m. (r. कृन्त् praef. नि s. अन) qui findit. A. 3. 55.

निकेत m. (r. कित् habitare, praef. नि s. अ) domus, habitatio. Bh. 12. 19. Ragh. 8. 33. 14. 58.

निक्ष् 1. P. (चुम्बने K. चुम्बे V.) osculari.

c. प्र (ad arbitrium प्रणिक्ष् vel प्रनिक्ष्) id. Bhatt. 9. 106.: प्रणिक्षिष्यति नो भूपः.

निक्षेप m. (r. क्षिप् praef. नि dejicere, deponere, s. अ) depositum, pignus, hypotheca. N. 20. 29. Man. 8. 179.

निखिल (Bah. e नि et खिल n. vacuum, inane; fortasse नि hujus compositi ortum est e न non, attenuato अ in इ, cf. अखिल) totus, integer. R. Schl. I. 5. 4. — Instr. निखिलेन Adv. omnino, plane. R. Schl. I. 37. 4.

निगड m. (r. गड् praef. नि s. अ) vinculum, compes. Sak. 60. 2.

निगम m. (r. गम् praef. नि s. अ) 1) urbs. 2) forum. 3) mercatura, mercatus, v. नैगम.

निग्रह m. (a r. ग्रह् praef. नि cohibere, refrenare, s. अ) coërcitio, refrenatio, oppressio. Bh. 6. 34. Ragh. 11. 55. 12. 52.

निघातिन् Adj. (a Caus. radicis हन् praef. नि - निघातयामि, gr. 524. n. 4. - suff. इन्) sternens, prosternens, caedens, occidens, diruens. A. 7. 26.

निघ्न (r. हन् praef. नि s. अ, v. gr. 645.) alius arbitrio subjectus. Ragh. 14. 58.

निघ्नत् Part. praes. radicis हन् praef. नि q. v. Dr. 5. 15.

निचय m. (r. चि colligere, s. अ) acervus. N. 26. 19.

निचुल m. (ut videtur, a r. चुल् praef. नि s. अ) arboris genus (Wils. Barringtonia acutangula). Ur. 59. 14.

निज् 3. P. A. (शौचे K. पोषे शुद्धौ V.) purificare, lavare; nutrire. (V. निञ्ज् et cf. hib. *nighim* «I wash», *nighte* «washed» = निक्त; lat. *ninguis, nix* e *nig-s, nivis* e *niguis, ninguo, ningo*; graec. νίζω, νίψω; νίπτω, ΧΕΡ-ΝΙΒ, mutatâ gutturali in labialem.)

c. निस् lavare, abluere, purificare, lustrare. Man. 5. 127.: अद्भिर् निर्णिक्तम्; Ragh. 17. 22.: तोयनिर्णिक्तपाणयः; Man. 11. 189.: एनस्विभिर् अनिर्णिक्तैः.

निज (r. जन् praef. नि s. अ, v. gr. 645.) 1) innatus. Ragh. 3. 15. 2) indigena. Hit. 21. 1. 3) proprius; *in recentioribus scriptis pronominum possessivorum vice fungitur:* meus, tuus, suus, noster *etc.* Up. 3. et 87.: निजम् suum; Ragh. 18. 27.: निजे in suo.

निञ्ज् 2. A. (scribitur निज्, gr. 110[a].) i. q. निज्.

नितम्ब m. (r. तम्ब् praef. नि s. अ; fortasse नि in hoc comp. ortum est e न, attenuato अ in इ, ita ut नितम्ब proprie significet non se movens; cf. नग mons et v. निखिल) 1) collis. N. 12. 110. 2) nates, clunes. In. 5. 10. Ragh. 4. 52. 6. 17.

नितम्बिनी f. (a praec. s. इन् in *fem.*) pulchris clunibus praedita femina, καλλίπυγος. Ritu-S. 1. 5.

नितराम् Adv. (a नि s. तराम् acc. fem. suff. comp. तर, v. gr. 652. suff. तम, तर) semper, in perpetuum. Mr. 267. 5. C'aur. 42. Ragh. 1. 95. Lass. 58. 20. — Cf. नित्य.

नितान्त v. तम् praef. नि.

नित्य (a praepos. नि s. त्य, v. gr. 652. et cf. नितराम्) sempiternus. — Acc. नित्यम् Adv. semper. In. 3. 10. 5. 61. H. 4. 10. Br. 3. 6. Su. 1. 31., v. gr. 652.

नित्यत्व n. (a नित्य s. त्व) aeternitas, perennitas, constantia, perseverantia. Bh. 13. 11.

नित्यदा (a नित्य s. दा) semper.

नित्यशस् (a नित्य s. शस्) semper. N. 26. 14. 16.

निद् 1. P. A. (कुत्सायाम् K. सन्निधौ कुत्सने V.) 1) i. q. निन्द्. 2) propinquum, prope esse. (V. निन्द् et cf. gr. ὄνειδος, praef. ο; goth. *ga-naitja* contumeliâ afficio; germ. vet. *nîd* invidia.)